इस्पात मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2751

21 मार्च, 2013 को उत्तर के लिए

विभिन्न कंपनियों द्वारा इस्पात का उत्पादन

2751. श्री भगत सिंह कोश्यारी:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश में वर्तमान में कंपनी-वार इस्पात का कितना उत्पादन किया जाता है;

(ख) क्या देश में इस्पात की मांग तेजी से बढ़ रही है;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) सरकार द्वारा इस्पात की मांग को पूरा करने के लिए क्या ठोस उपाय किए जा रहे हैं ?

उत्तर

इस्पात मंत्री (श्री बेनी प्रसाद वर्मा)

(क): संयुक्त संयंत्र समिति (जेपीसी) द्वारा जारी अनंतिम आंकड़े दर्शाते हैं कि अप्रैल-जनवरी 2012-13 के दौरान भारत ने 65.06 मिलियन टन क्रूड स्टील का उत्पादन किया। देश में उत्पादित इस्पात का ब्यौरा नीचे दिया गया है:

क्रूड स्टील उत्पादन ('000टन)			
उत्पादक/उत्पादक समूह	अप्रैल-जनवरी,2012-13*	अप्रैल-जनवरी,2011-12*	% परिवर्तन*
सेल संयंत्र			
बीएसपी	4245	4049	4.8
डीएसपी	1670	1577	5.9
आरएसपी	1843	1785	3.2
बीएसएल	3155	3035	4.0
आईएसपी	116	285	-59.3
एएसपी	124	170	-27.1
एसएसपी	58	82	-29.3
वीआईएसएल	47	75	-37.3
कुल सेल	11258	11058	1.8
आरआईएनएल	2532	2577	-1.7
टाटा स्टील	6597	5928	11.3
कुल: मुख्य उत्पादक	20387	19563	4.2
जेएसडब्ल्यू स्टील	7140	6179	15.6
जेएसडब्ल्यू इस्पात	2282	2077	9.9
एस्सार स्टील	3398	3655	-7.0

जिंदल एंड पॉवर लिमिटेड	2500	2233	12.0
कुल: प्रमुख	15320	14144	8.3
अन्य उत्पादक	29352	27915	5.1
कुल क्रूड स्टील उत्पादन	65059	61622	5.6
स्रोत: जेपीसी; * अनंतिम			

(ख) एवं (ग): स्टील की घरेलू मांग कुल फिनिश्ड स्टील (अलॉय + नॉन-अलॉय) की वास्तविक खपत की प्रवृत्तियों में परिलक्षित होती है जिसमें पिछले पांच वर्षों में 8.7% सीएजीआर की बढ़ोतरी हुई है। तथापि, घरेलू बाजार में वर्तमान गिरावट के कारण कुल फिनिश्ड स्टील की वास्तविक खपत ने अप्रैल-जनवरी 2012-13 के दौरान पिछल वर्ष की समान अवधि की तुलना में 4.1% (अनंतिम) की वृद्धि दर्ज की है

(घ) स्टील एक नियंत्रणमुक्त क्षेत्र है और नए स्टील प्लाटों की स्थापना के निर्णय राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय बाजार परिस्थितियों के आधार पर कंपनियों द्वारा लिए जाते हैं। स्टील उद्योग के प्रतिस्पर्धी उत्पादन और क्षमता वृद्धि को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार ने निम्नलिखित कदम उठाए हैं:

(i) स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल), राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड(आरआईएनएल) और एमएमडीसी लिमिटेड नामक सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम (पीएसयूज) अपने ब्राउनफील्ड/ग्रीनफील्ड स्थलों पर क्रूड/ फिनिश्ड स्टील क्षमताओं में महत्वपूर्ण विस्तार का क्रियान्वयन कर रहे हैं।

(ii) स्टील क्षेत्र में प्रभावी समन्वय तथा विभिन्न निवेश परियोजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाने के लिए सरकार द्वारा एक अंतरमंत्रालयी समूह (आईएमजी) की स्थापना की गई है।

(iii) इस्पात उद्योग के लिए महत्वपूर्ण कच्ची सामग्रियों यथा – कोकिंग कोल, नॉन-कोकिंग कोल, स्क्रैप आदि का आयात शून्य अथवा बहुत कम सीमा शुल्क की शर्त पर किया जाता है।

(iv) घरेलू मूल्यवर्धन को प्रोत्साहित करने और घरेलू और अयस्क की उपलब्धता को सुधारने के लिए लौह अयस्क के निर्यात पर शुल्क को बढ़ाकर 30 प्रतिशत किया गया है।

(v) इस्पात मंत्रालय वृद्धि के मार्ग की बाधाओं से उद्योग को अवगत कराने के लिए नियमित रूप से उद्योग को परामर्श देता है और जब कभी आवश्यक होता है तो अन्य संबंधित मंत्रालयों के लिए आवश्यक सुधारात्मक उपायों की सिफारिश करता है।

****